वार्षिक प्रतिवेदन

2023-24

उरमूल सीमांत समिति

उरमूल सीमांत परिसर, बज्जू तेजपुरा, बीकानेर - 334305, मेल आई डी - urmul@seemant.org

अनुक्रमाणिका

क्र सं	विषय	पृष्ठ सं
1	बहुला कार्यक्रम	2
2	ग्रो फंड आगामी दशक की कार्य योजना	3
3	स्केलिंग अप पेसटोरल प्रोडक्शन सिस्टम इन दा थार डेसर्ट (ADRRAN)	3-4
4	चाइल्ड हेल्पलाइन 1098	4
5	शैक्षिक कार्यक्रम	5
6	आयवर्धन कार्यक्रम	6
7	डेयरी एवं जैविक कृषि फार्म	7
8	मिशन बायोगैस	8
9	वित्तीय प्रतिवेदन	9

1. बहुला कार्यक्रम

वर्ष 2023–24 में बहुला कार्यक्रम के अंतर्गत उरमूल सीमांत और ग्रामीण समुदायों के सशक्तिकरण तथा आजीविका संवर्द्धन के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। संस्था ने कृषि, डेयरी, हस्तशिल्प और सतत ऊर्जा के माध्यम से किसानों, महिला कारीगरों, पशुपालकों और समुदाय के अन्य वर्गों के जीवन स्तर में सुधार किया है।

1.1. कृषि सहायता और किसानों का सशक्तिकरण

संस्था ने कुल 416 किसानों को गुणवत्ता पूर्ण कृषि इनपुट, बीज, जैविक उर्वरक, प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। इसके परिणामस्वरूप उनकी कृषि उत्पादकता में वृद्धि हुई और उनकी आय में सुधार हुआ। किसानों को फसल प्रबंधन, सिंचाई और प्राकृतिक खेती के नवीनतम तरीकों की जानकारी देकर उनका आत्मनिर्भर बनने का मार्ग प्रशस्त किया गया।

1.2. सामाजिक उद्यमों का विकास

उरमूल सीमांत समिति ने दो सामाजिक उद्यमों को प्रोत्साहित किया जो किसानों, दूध उत्पादकों, कारीगरों और पशुपालक समूहों की आय बढ़ाने पर केंद्रित हैं। इन उद्यमों के माध्यम से ग्रामीण उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने और उत्पादक समूहों को उनके प्रयासों का उचित लाभ दिलाने की दिशा में काम किया गया।

1.3. एग्री-डेयरी वैल्यू चैन के माध्यम से आय सृजन

बायोगैस, डेयरी और कृषि उत्पादों के माध्यम से किसानों और दूध उत्पादकों के लिए प्रत्यक्ष आय उत्पन्न की गई। बहील उत्पादों और बाज़ार प्रबंधन के सहयोग से 1.2 करोड़ रुपये से अधिक की आय प्राप्त की गई। इस प्रयास में *बहुला फूड्स प्राइवेट लिमिटेड* ने उत्पादों की विपणन और बाजार तक पहुंच में सक्रिय भूमिका निभाई।

1.4. कारीगर और पशुपालक समूहों के लिए आय संवर्द्धन

हस्तशिल्प और कारीगरी उत्पादों के माध्यम से महिला कारीगरों और पशुपालकों के लिए 60 लाख रुपये से अधिक की प्रत्यक्ष आय सुनिश्चित की गई। *सामाख्या सस्टैनेबल अलटेरनेटिव ग्रा लि* के सहयोग से उत्पादों की गुणवत्ता, डिजाइन और विपणन पर ध्यान देकर आय सृजन को मजबूत किया गया।

1.5. कैमल दूध उत्पादों की शुरुआत:

उरमूल सीमांत समिति ने राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के सहयोग से 'सरस' ब्रांड के तहत कैमल दूध लॉन्च को माननीय जोराराम कुमावत पशुपालन मंत्री, राजस्थान सरकार द्वारा लॉन्च किया गया। इस पहल ने विशेष रूप से रेगिस्तानी क्षेत्र के ऊंटपालकों की आय सृजन के नए अवसर तैयार किये।

2. ग्रो फंड : आगामी दशक की कार्ययोजना

ग्रो फंड कार्यक्रम का उद्देश्य संस्था की आंतरिक क्षमताओं को मजबूत करना, प्रबंधन कौशल में सुधार लाना और दीर्घकालिक स्थिरता की दिशा में कार्य करना है। इस वर्ष संस्था ने कई प्रमुख कदम उठाए, जिनसे संगठनात्मक दक्षता, मानव संसाधन प्रबंधन और भविष्य की रणनीति निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति हुई।

2.1. क्षमता निर्माण हेतु ऑनलाइन प्रशिक्षण (The Hub के माध्यम से)

संस्था की टीम ने The Hub द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भाग लिया, जिनसे कार्यप्रणाली और प्रबंधन क्षमता में सुधार हुआ।

- समय का बेहतर उपयोग कर कार्य की दक्षता बढ़ाने पर फोकस।
- संस्थागत और परियोजना स्तर पर संभावित जोखिमों की पहचान और समाधान के उपाय।
- रचनात्मक और व्यावहारिक समाधान खोजने की कला का विकास।
- भर्ती और चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उपाय।

2.2. रणनीतिक दस्तावेज़ – 'अगला दशक' रिपोर्ट

- अप्रैल 2023 में बीकानेर में आर के अनिल द्वारा *"अगला दशक"* शीर्षक से अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।
- इस रिपोर्ट में संस्था के अगले दस वर्षों की रणनीतिक दिशा, प्राथमिकताएँ और संभावित हस्तक्षेप क्षेत्रों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया।
- रिपोर्ट पर उरमूल सीमांत समिति की बोर्ड मीटिंग में विस्तृत चर्चा हुई और आगे की कार्ययोजना पर सहमति बनी।

3. स्केलिंग अप पेसटोरल प्रोडक्शन सिस्टम इन दा थार डेसर्ट (ADRRAN)

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण उद्यमों, विशेषकर ऊन मूल्य श्रृंखला और पशुपालन आधारित उद्यमों को विकसित करने के लिए एक मजबूत मॉडल स्थापित करना है। पिछले दो दशकों से संस्था आपदा तैयारी, प्रतिक्रिया और पुनर्वास के क्षेत्र में व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत कर रही है। हमारी दृष्टि में ऊन मूल्य श्रृंखला के पारंपरिक ज्ञान को नवीन प्रौद्योगिकी के साथ जोड़कर एक सुदृढ़ और आत्मनिर्भर समुदाय का निर्माण करना है।

3.1. भेड़ शियरिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम

उरमूल सीमांत समिति, बज्जू और सीड्स के सहयोग से चिमाणा, नारायणपुरा, खेंगासर, खाजूसर और घंटियाली में पशुपालकों के लिए दो दिवसीय भेड़ ऊन शियरिंग प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस दौरान सीएफसी केंद्र पर आयोजित गतिविधियों जैसे ऊन खरीद प्रक्रिया, भेड़पालक महिलाओं द्वारा ऊन ग्रेडिंग, भेड़ ऊन शियरिंग और टीकाकरण का विडियो दस्तावेज़ीकरण किया गया।

3.2. राष्ट्रीय स्तर पर कार्यशाला में भागीदारी

सीड्स संस्थान की ओर से नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में घुमंतू पशुपालकों के साथ काम करने वाली विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने विचार-विमर्श किया। उरमूल सीमांत समिति से खमानाराम और पशुपालक प्रतिनिधि ईसे खां ने भाग लेकर अनुभव साझा किए।

3.3. सीएफसी केंद्र का अवलोकन

सीएफसी केंद्र नारायणपुरा और चिमाणा का जापान से आए ताकेशी कोमीनो, सीड्स से श्रुति निखार, गुड़ा थर्मल प्लांट से कर्नल शुक्ला और मनु गुप्ता द्वारा किया गया।

4. चाइल्ड हेल्पलाइन 1098

चाइल्डलाइन परियोजना (1098) बच्चों की सुरक्षा और आपातकालीन सहायता के लिए एक महत्वपूर्ण पहल रही है। हमारे क्षेत्र में इस परियोजना के अंतर्गत कुल 8 प्रकरण प्राप्त हुए, 58 कॉल टेस्टिंग की गईं और 39 प्रकरणों का फॉलोअप किया गया। यह सेवा बच्चों तक शीघ्र और प्रभावी सहायता पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम बनी।

दिनांक 07.10.2023 से यह परियोजना बंद हो गई है और अब इसे सरकार *वात्सल्य योजना* के अंतर्गत स्वयं संचालित करेगी। पूर्व में यह चर्चा हुई थी कि कुछ अनुभवी और पुराने संस्थानों का सहयोग भी लिया जा सकता है, जिससे बच्चों के हितों की और बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित हो सके, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

5. शैक्षिक कार्यक्रम

5.1. मरु एकता छात्रावास

मरु एकता छात्रावास को शुरू करने का उद्देश्य थार मरुस्थल क्षेत्र की दूरदराज़ गांवों में रहने वाली बालिकाओं के लिए उच्च शिक्षा और कौशल विकास की सुविधा प्रदान करना है। बज्जू के सीमांत क्षेत्र में 9वीं से 12वीं तक की शिक्षा के लिए छात्रावास की स्थापना की गई, जिससे छात्राएँ न केवल शैक्षिक बल्कि

तकनीकी और सामाजिक कौशल भी विकसित कर सकें। वर्तमान में छात्रावास में कुल 40 बालिकाएँ अध्ययनरत हैं। प्रमुख गतिविधियाँ इस प्रकार है :

- **पत्र लेखन प्रतियोगिता:** जनवरी 2024 में आयोजित प्रतियोगिता में बालिकाओं ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए और लेखन कौशल में सुधार दिखाया।
- **प्रधानमंत्री जल संरक्षण अभियान (वाटर सेड यात्रा):** बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के महत्व को समझने के लिए सक्रिय भागीदारी की।
- **मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट प्रशिक्षण:** जनवरी में 7 दिन का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें बच्चों ने दूध प्रसंस्करण, गुणवत्ता नियंत्रण और सुरक्षा मानकों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- **चित्रकला प्रतियोगिता:** वाटर सेड यात्रा के दौरान फरवरी में आयोजित प्रतियोगिता में बच्चों ने जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया।
- **वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण:** 15 फरवरी को बैंक कर्मचारी सुनील कुमार द्वारा बच्चों को पूंजी निवेश और वित्तीय निर्णयों के बारे में मार्गदर्शन दिया गया।
- **वृक्षारोपण कार्यक्रम:** बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझा।
- **महिला सुरक्षा सत्र:** बीकानेर की एस.पी. द्वारा बच्चों को महिला सुरक्षा, अधिकार और कानूनी उपायों के बारे में जागरूक किया गया।
- **क्राफ्ट ट्रेनिंग:** बच्चों को हस्तशिल्प और कला निर्माण की तकनीक सिखाई गई, जिससे उनकी रचनात्मकता और कौशल में वृद्धि हुई।
- **पुलिस स्टेशन दौरा:** बच्चों ने पुलिस के कार्य और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।
- **बैंक दौरा:** बच्चों को बैंकिंग प्रक्रियाओं और वित्तीय सुरक्षा के बारे में शिक्षित किया गया।

5.2. आर.के.सी.एल. (RKCL) केंद्र

- आर.के.सी.एल. कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था ने जुलाई से नवम्बर 2023 की अवधि केदौरान 26 नए प्रवेश हुए।
- संस्था ने अपने कार्यक्षेत्र चिमाणा गाँव में नवम्बर 2023 में नया आर.के.सी.एल. केन्द्र प्रारम्भ किया। चिमाणा गाँव में संस्था का अपना भवन होने से केन्द्र को स्थायी आधार मिला है।
- गोविंदसर गाँव में भी एक कंप्युटर सेंटर खोला गया जोकि मुख्य रूप से बालिकाओं को कंप्युटर शिक्षा से जोड़ने पर केंद्रित था।

6. आयवर्धन कार्यक्रम

आयवर्द्धन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को कशीदाकारी, बुनाई, ब्लॉक प्रिंट और प्राकृतिक रंगाई जैसे पारंपरिक शिल्पों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना है। वर्तमान में इस कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 33 लाख रुपये की प्रगति हुई है, जबकि लक्ष्य 1 करोड़ रुपये का था। शेष लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार करने और उसमें *इम्प्लीमेंटिंग एजेंसी (आई.ए.)* को सक्रिय रूप से शामिल करने की आवश्यकता है, क्योंकि केवल 4 माह का समय शेष है। प्रमुख गतिविधियाँ इस प्रकार है।

- **कशीदाकारी और बुनाई यूनिट:** 3 लूम पर पर्याप्त ऑर्डर प्राप्त हुए हैं, जिससे बुनाई कार्य सतत गति से चल रहा है।

- **ब्लॉक प्रिंट एवं प्राकृतिक रंगाई प्रशिक्षण:** कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया, अगले त्रैमासिक से इस कार्य को पूर्ण रूप से शुरू किया जाएगा।

- **सार्वजनिक जलकुंड निर्माण:** जिला परिषद, बीकानेर द्वारा संस्था परिसर में वर्षा जल संग्रहण हेतु 3 लाख रुपये की लागत से दो जलकुंड बनाए गए। एक जलकुंड *उरमूल डेज़र्ट क्राफ्ट भवन* के पीछे (प्राकृतिक रंगाई व उरमूल फार्म हेतु) और दूसरा *डेयरी* के पास (पशुओं हेतु) बनाया गया।

- **इको सिस्टम समीक्षा एवं नियोजन कार्यशाला:** 3 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 70 आर्टिजन महिलाएँ शामिल हुईं। इसका उद्देश्य महिलाओं की आय बढ़ाना, उत्पाद की गुणवत्ता सुधारना और बाजार की मांग के अनुरूप उन्हें समर्थित करना था।

- **दस्तकार, दिल्ली में स्थायी दुकान:** समाख्या के माध्यम से किराए पर दुकान ली गई, जिससे उरमूल सीमांत के उत्पादों की बिक्री में वृद्धि हुई।

- **फैशन शो भागीदारी:** 6 अगस्त 2023 को पर्ल इंस्टीट्यूट जयपुर द्वारा आयोजित फैशन शो में *देशी ऊन संग्रह* प्रस्तुत किया गया।

- **स्टोर और आउटलेट विस्तार:** आर्टिजन उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु बैंगलोर (2 स्टोर), दिल्ली (1 स्टोर) और पुणे (1 स्टोर) में स्थान चिन्हित किए गए हैं। दिल्ली और सूरत में भी नए आउटलेट खोजे जा रहे हैं।

- **ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग:** सोशल मीडिया उपस्थिति मजबूत की गई, ई-कॉमर्स वेबसाइट को अपग्रेड किया गया और ऑर्डर मिलना शुरू हुआ है। साथ ही *उरमूल डेज़र्ट क्राफ्ट* और *बिल्ट इन्वायरमेंट* से जुड़ी वेबसाइट (मगरा) पर भी कार्य प्रगति पर है।

7. डेयरी एवं जैविक कृषि फार्म

वर्तमान में डेयरी में कुल 43 पशु हैं जिनमें 11 दुधारू गाय, 1 सांड, 5 बछड़े और 26 बछड़ियाँ शामिल हैं। तीन सदस्यीय टीम (रमेश यादव, अचलाराम और रुकमादेवी) मिलकर इनकी देखभाल करती है। सभी गायों का गोबर बायोगैस यूनिट में डाला जाता है, जिससे प्रतिदिन लगभग 200 किलो गोबर से गैस उत्पादन हो रहा है। यह गैस मैस में खाना बनाने के काम आती है, जिससे प्रति माह लगभग 5 गैस सिलेंडर की बचत हो रही है। इस नवाचार से संस्थान को आर्थिक लाभ के साथ-साथ पर्यावरणीय और स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त हो रहे हैं।

7.1. पशुधन स्वास्थ्य एवं पोषण:

- गायों के शेड में समय-समय पर साफ-सफाई व दवाई का छिड़काव किया जाता है, जिससे परजीवी नहीं पनपते और पशु स्वस्थ रहते हैं।
- गायों को एग्री फार्म से प्राप्त बाजरे का हरा चारा मशीन से काटकर सूखे चारे के साथ मिलाकर दिया जा रहा है, जिससे दूध की गुणवत्ता और पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है।
- हाइड्रोपोनिक यूनिट से गेहूं का हरा चारा तैयार कर खिलाया जा रहा है, जिससे दूध की फैट क्वालिटी में वृद्धि हुई है।
- बछड़ियों की संख्या 26 है, जिनकी वर्तमान कीमत लगभग 5 लाख आँकी गई है। इनका उद्देश्य भविष्य में नस्ल सुधार और दूध उत्पादन में वृद्धि करना है।

7.2. एग्री फार्म विकास

- फार्म में 765 फलदार पौधों का रोपण किया गया है, जिनमें किन्नू (31), अनार (31), नींबू (101), आंवला (71), बेर (9), शहतूत (11), मोरिंगा (481), गुन्दा (27), खजूर (1), बिल्वपत्र (2) शामिल हैं।
- मोरिंगा प्लांटेशन विशेष रूप से सफल रहा है। बीजामृत उपचारित बीजों से चार माह में पौधे 14 फीट तक बढ़ चुके हैं। इनके पत्तों का पाउडर बनाकर *बहुला कम्पनी* को मार्केटिंग हेतु दिया जाएगा। साथ ही पत्ते व टहनियाँ गायों को खिलाई जा रही हैं, जिससे दूध की गुणवत्ता में सुधार और मोरिंगा-युक्त घी की बाजार माँग पूरी हो रही है।
- फार्म में जैविक किन्नू की अच्छी पैदावार हुई है, लगभग 1 क्विंटल फल तैयार हैं जिन्हें बीकानेर मंडी में बेचने की प्रक्रिया जारी है। नींबू भी तैयार होने लगे हैं।

7.3. बायोगैस एवं बायोफर्टिलाइज़र मॉडल

- बायोगैस यूनिट की स्थापना से गैस के साथ-साथ निकलने वाली स्लरी का उपयोग जैविक तरल खाद तैयार करने में किया जा रहा है।

- इस खाद को किसानों तक पहुँचाने और बड़े स्तर पर उत्पादन बढ़ाने की योजना है। किसानों से स्लरी बायबैक मॉडल के माध्यम से उन्हें भी अतिरिक्त आय देने का प्रयास किया जा रहा है।
- वी.एस. लिग्नाइट पावर प्रा.लि. के अधिकारियों ने यूनिट का अवलोकन किया और बायोफर्टिलाइज़र की बड़ी मात्रा में खरीद की इच्छा जताई।
- हाल ही में 250 लीटर 'अग्नि अस्त्र' जैविक दवा (6250) की बिक्री की गई है। इसकी गुणवत्ता देखकर अन्य संस्थाएँ भी खरीद में रुचि दिखा रही हैं।

8. मिशन बायोगैस

किसानों को जैविक खेती के लिये प्रेरित करने तथा बायोगैस से प्राप्त स्लरी और अन्य कृषि/पशुपालन उत्पादों के माध्यम से उन्हें लघु उद्यमी के रूप में जोड़ने के उद्देश्य से संस्था ने अक्टूबर 2023 से *मिशन बायोगैस* कार्यक्रम प्रारम्भ किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 500 बायोगैस यूनिट्स स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह पहल केवल ऊर्जा और खाद उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका गहरा संबंध मृदा पुनर्जीवन और कार्बन उत्सर्जन में कमी से भी है।

8.1. किसानों को होने वाले लाभ

- प्रतिमाह लगभग दो से ढाई गैस सिलेंडर के बराबर स्वच्छ रसोई गैस की उपलब्धता, जिससे घरेलू ईंधन व्यय कम होता है।
- प्रतिदिन 160–170 लीटर जैविक स्लरी, जो खेतों में उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद के रूप में प्रयुक्त होती है।
- स्लरी के नियमित उपयोग से खेतों में खरपतवार नियंत्रण, नमी संरक्षण और मिट्टी की संरचना में सुधार।
- यूरिया व डीएपी जैसे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता और खर्च में भारी कमी, जिससे किसानों की लागत घटती है।
- स्वच्छ ऊर्जा उपयोग से महिलाओं और परिवारों का स्वास्थ्य लाभ, क्योंकि धुएँ से होने वाली श्वसन संबंधी समस्याओं में कमी आती है।
- प्रत्येक यूनिट औसतन प्रति वर्ष 6–8 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी करता है। स्थापित 441 यूनिट्स से अनुमानित 3,000+ टन कार्बन उत्सर्जन कमी दर्ज की जा रही है।

8.2. प्रगति

- **सिस्टेमा-08** : लक्ष्य 500 यूनिट्स में से 441 इंस्टॉल, शेष 59 यूनिट्स अप्रैल 2024 में पूरे हो जाएंगे।

- **सिस्टेमा-12** : लक्ष्य 9 यूनिट्स में से 7 इंस्टॉल।
- **सिस्टेमा-16** : लक्ष्य 40 यूनिट्स में से 30 इंस्टॉल।

9. वित्तीय प्रतिवेदन

BALANCE SHEET
As on 31st March, 2024

Previous Amount	LIABILITIES	AMOUNT (Rs. Ps.)	AMOUNT (Rs. Ps.)
1000000	**SOCIETY FUND** Balance Brought Forward		1000000
3772	**MEMBERSHIP FUND**		3772
[illegible]	**PROJECT CAPITAL GRANT FUND** (As per Schedule "A")		[illegible]
[illegible]	**UNSPENT PROJECT GRANT** [illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	**OTHER FUND** (As per Schedule "C")		[illegible]
[illegible]	**LOAN ACCOUNT** OD Account Bank of Baroda [illegible] A/c No. [illegible]		[illegible]
[illegible]	**CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS** (As per Schedule "D")		[illegible]
[illegible]	**INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT** Local Fund: Balance Brought Forward; Add: Surplus for the year	[illegible]; [illegible]	[illegible]
[illegible]	**[illegible] Fund** Balance Brought Forward; Add: Surplus for the year	[illegible]; [illegible]	[illegible]
[illegible]	Total		[illegible]

Previous Amount	ASSETS	AMOUNT (Rs. Ps.)	AMOUNT (Rs. Ps.)
[illegible]	**RECOVERABLE PROJECT GRANT** [illegible] (As per Schedule "B")	[illegible]	[illegible]
[illegible]	**FIXED ASSETS** (As per Schedule "E")		[illegible]
[illegible]	**INVESTMENT**		[illegible]
	Fixed Deposit with Bank of Baroda (A/c [illegible])	[illegible]	
	Fixed Deposit with Bank of Baroda (A/c [illegible])	[illegible]	
	Fixed Deposit with Bank of Baroda (A/c [illegible])	[illegible]	
	Fixed Deposit with Bank of Baroda (A/c no. [illegible])	[illegible]	
	Fixed Deposit with Bank of Baroda (A/c no. [illegible])	[illegible]	
	Fixed Deposit with Bank of Baroda (A/c no. [illegible])	[illegible]	
	Fixed Deposit with Bank of Baroda (A/c no. [illegible])	[illegible]	
	Fixed Deposit with Bank of Baroda (A/c no. [illegible])	[illegible]	
	Fixed Deposit with Bank of Baroda (A/c no. [illegible])	[illegible]	
	Fixed Deposit with Bank of Baroda (A/c no. [illegible])	[illegible]	
	Fixed Deposit with [illegible]	[illegible]	
	Post Office Saving A/C	[illegible]	
[illegible]	**CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES:** [illegible] (As per Schedule "F")		[illegible]
[illegible]	**LOANS, ADVANCES & DEPOSITS** (As per Schedule "G")		[illegible]
[illegible]	**SUNDRY DEBTORS** (As per Schedule "H")		[illegible]
[illegible]	**CASH & BANK BALANCES** (As per Schedule "I")		[illegible]
	NOTES ON ACCOUNTS (As per Schedule "J")		-
[illegible]	Total		[illegible]